राजनीति की यही कहानी, अपनी जिद के लिए फूंफा करते हैं मनमानी

कांग्रेस-भाजपा में बागियों ने पहुंचाया है हमेशा चुनाव में नुकसान

शाजापुर। अमूमन राजनीतिक दलों में जब भी चुनाव आते हैं, तो असंतुष्ट नेता फूफा बनकर अपने ही दलों के लिए विभीषण बन जाते हैं। बीते दो दशकों में यदि शाजापुर जिले के विधानसभा चुनावों पर नजर दौड़ाएं, तो भाजपा हो या कांग्रेस हो, सबसे ज्यादा तबाही राजनीतिक फूफाओं ने ही अपने-अपने दलों में मचाई है। अमूमन बुआ से ही फूफा का निर्माण होता है, लेकिन राजनीति के फूफा ऐसे फूफा होते हैं, जिनके पास बुआ तो नहीं होती है, लेकिन इनका रसूख फूफा से कम नहीं होता है।

अभी तक सामाजिक तौर पर शादी-ब्याह में ही फूफाओं की नाराजगी के किस्से देखे और सुने जाते थे, लेकिन अब फूफाओं का प्रचलन राजनीतिक दलों में तेजी से बढ़ा है। हर पांच साल में विधानसभा चुनाव के पहले या विधानसभा चुनाव के दौरान हर बार नए फूफाओं का जन्म होता है। जैसे ही चुनाव आते हैं, राजनीतिक फूफा अपने-अपने बिलों से निकलकर चौराहों पर नजर आ जाते हैं। सामाजिक क्षेत्र में फूफा का नाम केवल फूफा है ,लेकिन राजनीति में फूंफा के कई उपनाम हैं। जैसे - विघ्नसंतोषी, असंतुष्ट, जलकुक्कड़, रायता ढोलू...। ये सब मिलकर राजनीतिक फूफाओं को जन्म देते हैं। शुजालपुर 2018, 2023 और शाजापुर 2018 में कांग्रेस और भाजपा की हार में सबसे बड़ी भूमिका इन फूफाओं की ही रही है।

यही कारण है कि फूफाओं की तबाही के कारण कार्यकर्ताओं की मेहनत पर पानी फिर जाता है। बीते तीन दशकों में यदि शाजापुर जिले की राजनीति पर नजर दौड़ाएं, तो भाजपा हो या कांग्रेस, इनमें हार के लिए जिम्मेदार सबसे ज्यादा ये असंतुष्ट नेताओं का योगदान रहा है। शाजापुर 2013 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार में फूफाओं का हाथ सबसे बड़ा रहा है। 2018 के विधानसभा चुनाव में शाजापुर विधानसभा से सभी फूफाओं ने मिलकर निर्दलीय फूफाओं को चुनावी मैदान में उतारा और भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। अमूमन यही स्थिति 2003, 2018, 2023 के विधानसभा चुनाव में शुजालपुर में देखने को मिली।

शुजालपुर अब कांग्रेस के लिए कड़ी चुनौती से कम नहीं...

शुजालपुर विधानसभा से अब कांग्रेस को चुनाव जीतना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। क्योंकि अब शुजालपुर की राजनीतिक स्थिति कांग्रेस के लिए बस से बाहर हो गई है। दूर-दूर तक शुजालपुर में कांग्रेस का ऐसा कोई नेता नजर नहीं रहा है, जो सभी नेताओं को एक जाजम पर बैठाकर भाजपा को चुनौती दे सके। क्योंकि शुजालपुर में पार्टी के लिए समर्पित कार्यकर्ता कम, अपने-अपने नेताओं के प्रति समर्पित ज्यादा हैं। दो-दो चुनाव महेंद्र जोशी और रामवीरसिंह सिकरवार हार चुके हैं अब 2028 के चुनाव में कांग्रेस इन पर ही दाव लगाती है या किसी नए को मौका देती है। यदि किसी नए को मौका देती है, तो भी कांग्रेस के सामने चुनौती है और यदि पुराने पर ही दाव लगाती है, तो कांग्रेस के लिए डगर कठिन है।

मक्सी में भाजपा के फूंफाओं की बड़ी रही संख्या

शाजापुर विधानसभा में मक्सी और मोहन बड़ोदिया हमेशा से निर्णायक भूमिका में रहा है। मक्सी में सबसे ज्यादा भाजपा में घमासान मचा हुआ है। हालांकि ये घमासान अभी अंदरुनी है, लेकिन आने वाले समय में मक्सी में काफी उलटफेर होने की संभावना नजर आ रही है। हो सकता है कि नगर पालिका चुनाव के दौरान कुछ लोग भाजपा को छोड़कर घर वापसी भी कर सकते हैं। मक्सी में यदि फूफाओं पर अंकुश नहीं लगाया, तो विधानसभा में भाजपा को नुकसान हो सकता है। हालांकि यहां कांग्रेस की स्थिति भी किसी से छुपी नहीं है, लेकिन कांग्रेस भाजपा के नुकसान में अपना फायदा देख रही है।

एक नजर में

देवलाबिहार में फूड पॉइजनिंग से हड़कंप

शाजापुर। जिले के ग्राम देवलाबिहार में बीते दिनों फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आने से गांव में हड़कंप मच गया। इस घटना में कई ग्रामीणों की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। हालांकि सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने जबरदस्त तत्परता दिखाई, जिसके चलते एक बड़ा हादसा टल गया। समय रहते सभी मरीजों को उपचार मिल गया है और वर्तमान में सभी की हालत पूरी तरह से स्थिर और खतरे से बाहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम देवलाबिहार में फूड पॉइजनिंग की सूचना जैसे ही जिला मुख्यालय पहुंची। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय सालविया ने त्वरित संज्ञान लिया। अधिकारियों के मार्गदर्शन और निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुन्दरगढ़ का दल तुरंत हरकत में आया। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. गोपाल मकवाना, मेडिकल ऑफिसर डॉ. विशाल मंडलोई और डॉ. रवीन्द्र कुशवाह के नेतृत्व में सीएचसी सुन्दरगढ़ की कॉम्बेट टीम बिना कोई समय गंवाए जरूरी दवाओं और उपकरणों के साथ सीधे देवलाबिहार गांव पहुंची। गांव में पहुंचकर मेडिकल टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला और बीमार हुए सभी लोगों का तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण कर मौके पर ही इलाज शुरू कर दिया। त्वरित और सही उपचार मिलने से मरीजों की बिगड़ती हालत पर काबू पा लिया गया। इलाज के साथ-साथ डॉक्टरों की टीम ने गांव वालों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक भी किया और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए खान-पान में विशेष सावधानी बरतने, साफ-सफाई रखने तथा बासी या दूषित भोजन से दूर रहने की सख्त सलाह दी।

एचपीवी टीका लगवाने आई बालिकाओं का किया स्वागत

शुजालपुर। प्रदेश के उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग मंत्री इंदर सिंह परमार तथा कलेक्टर ऋजु बाफना ने सिविल अस्पताल शुजालपुर में एचपीवी टीका लगवाने आई 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं से शनिवार को चर्चा की एवं उनका पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान मंत्री परमार ने उन्हें प्रमाण पत्र भी भेंट किए। मंत्री परमार ने उक्त बालिकाओं से अपने साथ पढ़ रही व उनके ग्राम, परिवार की अन्य किशोरी बालिकाओं को भी एचपीवी टीका लगवाने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा।

1 अप्रैल से शुरू होगी गेहूं की सरकारी खरीदी

सोयतकलां। शासन के निर्देशानुसार जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य अब 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। पूर्व में यह कार्य 16 मार्च 2026 से प्रारंभ होना प्रस्तावित था। शासन द्वारा गेहूं उपार्जन की तिथि में परिवर्तन किया गया है। किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग की सूचना पृथक से जारी की जाएगी। किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के भुगतान की राशि आधार से लिंक बैंक खाते एनपीसीआई में सीधे जमा की जाएगी। इसलिए जिन किसानों का बैंक खाता एपीसीआई से लिंक नहीं है, वे शीघ्र ही संबंधित बैंक में जाकर अपने खाते को आधार से लिंक करवा लें। इसके साथ ही जिन किसानों के पास छोटे खाते हैं, उन्हें भी अपने नियमित बैंक खाते को एनपीसीआई से लिंक करवाने की सलाह दी गई है, ताकि भुगतान प्राप्त करने में किसी प्रकार की देरी न हो। प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे समय रहते अपने बैंक खाते की आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर लें, जिससे गेहूं के भुगतान में कोई समस्या न आए।

कार और बाइक की टक्कर, दो की मौत

शुजालपुर। आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर देहण्डी जोड के समीप शनिवार की शाम को कार व बाइक की टक्कर हो गई, इस सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई तो एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कार भी सड़क से नीचे उतर गई तथा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जाता है कि कार में दुल्हा दुल्हन सहित अन्य कुछ लोग बैठे हुए थे। मिली जानकारी अनुसार कार क्रमांक एमपी 42 सी 5076 में सवार दुल्हा दुल्हन व अन्य शुजालपुर में आयोजित हुए मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह सम्मेलन में विवाह सम्पन्न होने के बाद जामनेर स्थित माताजी के दर्शन कर वापस देहण्डी की और आ रहे थे तभी देहण्डी जोड के समीप सामने से आ रही बाइक से कार टकरा गई, इस दुर्घटना में मुकेश पिता ओम गिर 45 वर्ष निवासी संगम मंदिर आष्टा, संतोष पिता मुल गिर 60 वर्ष निवासी मुडला थाना इछावर की मृत्यु हो गई। साथ ही अनमोल गिर पिता मुकेश गिर 17 वर्ष निवासी आष्टा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाइक पर सवार उक्त लोग राणोगंज में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने के बाद वापस जा रहे थे। यह दुर्घटना इतनी तेज हुई कि कार के एयर बेग खुल गए और कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। पुलिस ने मृतकों के शव का परीक्षण सिविल अस्पताल शुजालपुर में करवाते हुए मर्ग कायम किया।

अधजले पटाखों से बारुद निकालते समय विस्फोट

शाजापुर। शुक्रवार रात एक 7 साल का बच्चा जब खेल-खेल में जले हुए पटाखों से बारुद निकालकर उसमें आग लगाने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक बारुद ने आग पकड़ ली और हादसे में बच्चे का चेहरा झुलस गया। घायल बालक को गंभीर हालत में शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कड़ूला गांव निवासी 7 वर्षीय बालक लोकेश पिता लालसिंह भिलाला शुक्रवार रात करीब 9 बजे घर के बाहर खेल रहा था। गांव में ही एक शादी समारोह था, जिसके बाद वहां कुछ जले और अधजले पटाखे पड़े हुए थे। लोकेश ने नासमझी में इन पटाखों को इकट्ठा कर लिया और उनसे बारुद निकालने लगा। बारुद निकालकर जैसे ही उसने आग लगाने का प्रयास किया, तो बारुद ने अचानक तेज आग पकड़ ली, जिसकी सीधी चपेट में लोकेश का चेहरा आ गया।

पुलिस के उस्ताद से उस्तादी महंगी पड़ी थ्री को...

पुलिस डायरी
मनोज पुरोहित

बिल्ली जब दूध पीती है, तो वो अपनी आंखें बंद कर लेती है, उसे लगता है कि उसे कोई नहीं देख रहा है। कुछ ऐसा ही हाल शुतुरमुर्ग का भी होता है, वो भी रेत में अपनी गर्दन छुपा लेता है। उसे लगता है कि उसे कोई नहीं देख रहा, लेकिन दोनों ही गलतफहमी में रहते हैं। ऐसा ही वाकिया शाजापुर के एक पुलिस अधिकारी के साथ हुआ।

आरटी कॉल के दौरान वे इंदौर में अपने घर पर थे और अर्दली को फरमान दिया कि जब आरटी कॉल शुरू हो, तो उन्हें फोन कर देना। ताकि वे मोबाइल को पास में रखकर आरटी कॉल से जुड़ जाएंगे, लेकिन पुलिस के पास झूठ पकड़ने का हुनर होता है। वो अपराधी का ही झूठ नहीं, अपने महकमे के अधिकारियों का भी झूठ पकड़ लेती है। कहा जाता है उस्ताद से उस्तादी कभी-कभी महंगी साबित हो जाती है। हुआ भी यही। पुलिस का उस्ताद कप्तान को कहा जाता है। कप्तान ने जैसे ही आरटी कॉल शुरू की। तो जैसा कि थ्री साहब ने अपने अर्दली को हुकुम दिया था कि आरटी कॉल शुरू होते ही वह उन्हें मोबाइल पर बता दे, ताकि मोबाइल को स्पीकर पर रखकर आरटी कॉल से जुड़ जाएंगे। आरटी कॉल शुरू होते ही अर्दली ने साहब के हुकुम की तामिल के लिए फोन किया और साहब तत्काल इंदौर में अपने घर से चाय की चुस्की के साथ मोबाइल को वायरलेस के पास रखकर आरटी कॉल से जुड़ गए, लेकिन कहा जाता है कि उस्ताद, उस्ताद ही होता है। और पुलिस के उस्ताद याने कप्तान ने थ्री साहब का यह झूठ पकड़ लिया और लगे हाथ लोकेशन भी निकाल ली, तो लोकेशन में थ्री साहब इंदौर दिशा में पाए गए। उसके बाद साहब ने उनके ऑनलाइन कीड़े झाड़ दिए और अपडाउन के संक्रमण का भी इलाज कर दिया। यह मामला पूरे विभाग में चर्चा का विषय रहा है।

उसके बाद अब एक बात तय है कि कोई भी साहब बहादुर ऐसी तकनीक का उपयोग न करे, जिसमें पकड़े जाने की संभावना है। हालांकि साहब ने सोचा होगा कि जब गटर से गैस बन सकती है, तो वायरलेस के पास मोबाइल को रखकर आरटी कॉल क्यों अटैंड नहीं की जा सकती।

इस महीने की बंदी पर किसका हक...?

शासन ने शाजापुर में नए एसडीओपी की पदस्थापना कर दी। हालांकि अभी ज्वाइनिंग नहीं हुई है, लेकिन इस महीने की बंदी पर पुराने का ही हक रहेगा या फिर नए का आधिपत्य रहेगा। हालांकि बंदी देने वालों को राहत है और एक टेंशन भी है कि कहीं ऐसा न हो कि पुराने और नए दोनों को देना पड़े। वैसे भी बंदी दस से बीस तारीख के बीच ही आती है, तो बंदी देने वाले सेठ भी बीस तारीख का ही इंतजार कर रहे हैं, ताकि नए से ही शुरुआत हो। नहीं तो फिर आधी-आधी बंदी दोनों को दे देना चाहिए।

पुलिस को चंदा मामाओं से मिली कुछ राहत

सावन से लेकर होली तक पुलिस पर चंदा मामाओं की मार थी। अब होली समाप्त होने के बाद कुछ महीनों के लिए पुलिस को चंदा मामाओं से राहत मिलेगी। क्योंकि अब सावन तक कोई ऐसा चंदे का आयोजन नहीं है, जिससे पुलिस की जेब पर भार पड़े। हालांकि चंदे की इस सिलक में राजनीतिक कार्यक्रम को छूट है। क्योंकि ये कभी भी हो सकते हैं। खादी मामाओं का नैतिक दायित्व बन चुका है पुलिस से पारितोषिक लेने का।

अंत में...

भाजपा के पूर्व पार्षद पुत्र इन दिनों जुआं घर के लिए जगह तलाशते फिर रहे हैं।

सामूहिक विवाह सामाजिक सद्भाव बढ़ाने का सशक्त माध्यम

शुजालपुर में 200 बेटियों के विवाह कार्यक्रम को वीडियों कॉन्फ्रेसिंग से किया मुख्यमंत्री ने संबोधित

शुजालपुर। हमारी संस्कृति के मूल में सामाजिकता है, सद्भाव है और इस सद्भाव को बढाने में सामूहिक विवाह सम्मेलन एक बढा ही मजबूत और कारगर माध्यम है, बेटियों के पाणिग्रहण संस्कार से बढा पुण्य का, कोई दूसरा काम हो ही नहीं सकता। पहले बेटी के जन्म होने के साथ ही उसके परिवार को बेटी की शादी की चिंता सताती थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार बेटियों का कन्यादान और विदाई कर रही है, इस योजना से प्रदेश के गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का घर बस रहा है।

यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुजालपुर की कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण में हुए सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर पढ़ाई, नौकरी, मातृत्व और विवाह तक हमारी सरकार हर कदम पर बहनों-बेटियों के साथ खड़ी है, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मितव्ययिता बेहद जरूरी है, इसलिए शादी-ब्याह में होने वाले फि जूलखर्चों से हमेशा बचें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों के सम्मान, इनके सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए सदैव ही प्रतिबद्ध है, इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवविवाहित जोडों को बधाई और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। सम्मेलन में 200 बेटियों का सामूहिक विवाह, निकाह सम्पन्न हुआ। इसमें 162 बेटियों का विधि-विधान से विवाह और 38 बेटियों का कबूलियत निकाह कराया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री परमार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नवविवाहित जोडे को मंगलाशीष के तौर पर सरकार की ओर से गृहस्थी के लिए 49-49 हजार रूपए दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन वर-वधु को जन्म जन्मांतर तक साथ देने की अमरता की बेला का उत्सव है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विवाह सम्मेलन में संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई है। सामाजिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना ने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है।

आज के दौर में विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची बढ़ रही है। यह समाज के हित में नहीं है। इसलिए सभी को अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह सामूहिक विवाह और ऐसे आयोजनों में ही कराने की ओर बढना होगा, मंत्री परमार ने नवविवाहित जोडों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी का जीवन प्रेम, विश्वास, सम्मान और संस्कारों से परिपूर्ण रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया एवं नगर पालिका अध्यक्ष शुजालपुर बबीता परमार ने भी संबोधित किया।

सर्व धर्म सामूहिक सम्मेलन में कलेक्टर शाजापुर ऋजु बाफ्ना, जनपद पंचायत शुजालपुर अध्यक्ष सीताबाई रामचन्दर पाटोंदिया, उपाध्यक्ष मंजूबाई गोविन्दसिंह मेवाड़ा, विजय सिंह बैस, कृपाल सिंह मेवाड़ा, अशोक नायक, नरेन्द्र सिंह यादव, देवेन्द्र तिवारी, अरविंद परमार, अशोक मालवीय, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर राज कुमार हलदार, जनपद पंचायत सीईओ सहित अन्य उपस्थित थे।

दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देते अतिथि और अन्य।

सोयतकलां में दो दिनी जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला

सोयतकलां। कृषक कल्याण वर्ष 2026 वर्ष के तहत कलेक्टर प्रीति यादव के मार्गदर्शन में पुलिस परेड ग्राउंड आगर मालवा में आत्मा योजना अंतर्गत 12-13 मार्च 2026 को आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

मेले के द्वितीय दिवस पर कृषकों को आधुनिक कृषि तकनीकों, कम लागत में अधिक उत्पादन, कृषि आधारित उद्योग स्थापना, उद्यानिकी एवं मसाला औषधीय फसलों के उत्पादन संबंधी जानकारी कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई। कृषि विज्ञान केंद्र शाजापुर के पूर्व प्रधान एवं प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. जीआर अम्बावतिया ने किसानों को कुसुम, चिया सीड, चन्द्रसुर, किनोवा, हल्दी एवं अदरक जैसी नई एवं लाभकारी फसलों की उन्नत खेती पद्धतियों की जानकारी दी। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र आगर-मालवा के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ। एके दीक्षित ने मृदा परीक्षण की विधि, परीक्षण परिणाम अनुसार उर्वरकों के उपयोग तथा सोयाबीन एवं गेहूं की रोग प्रतिरोधी उन्नत किस्मों, फसल विविधीकरण एवं फसल प्रसंस्करण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

भारतीय किसान संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष डुंगर सिंह सिसोदिया ने नरवाई प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, गोबर खाद एवं गोमूत्र के उपयोग से कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उपाय बताए। उप संचालक कृषि विजय चौरसिया ने किसानों को ई विकास प्रणाली के माध्यम से खाद प्राप्ति हेतु ई टोकन बुकिंग की प्रक्रिया समझाई, जिससे पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से उर्वरक उपलब्ध हो सके। किसानों को ग्रीष्मकालीन तिल एवं उड़द फसल लगाने के लिए प्रेरित किया।

अनुदान योजनाओं की जानकारी दी...

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र शाजापुर के महाप्रबंधक नवीन शुक्ला ने कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, जैविक खाद निर्माण, नरवाई प्लेट उद्योग, पेटेंट, मार्केटिंग एवं अनुदान योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र उज्जैन की तकनीकी सहायक डॉ. सविता कुमारी ने नरवाई प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, सूक्ष्म उद्योग एवं किचन गार्डनिंग के बारे में जानकारी दी। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के विकासखंड अधिकारी डॉ। अंकित जैन ने विभिन्न पशुपालन योजनाओं, नियमित टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं हरा चारा प्रबंधन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताए।

एक नजर में — नेशनल लोक अदालत के अवसर पर न्याय पालिका की अनूठी पहल

कोर्ट परिसर में हुआ 212 स्वच्छता वीरों का सम्मान

शाजापुर। जिला मुख्यालय पर स्वच्छ भारत न्यायपूर्ण भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता वीरों का सम्मान समारोह जिला न्यायालय में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के 212 पंजीकृत सफाईकर्मियों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया।

कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विशेष न्यायाधीश अंजनी नंदन जोशी मौजूद रहे।

अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करना समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रतीक है, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है। सफाईकर्मियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से न्यायाधीशों की ओर से लगभग 1 लाख 40 हजार रुपए की राशि से वस्त्र वितरित किए गए। मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर 137 पुरुष सफाईकर्मियों को लोअर-टी शर्ट और 75 महिला सफाईकर्मियों को साड़ी सेट प्रदान किए गए।

कोविड काल की सेवाओं को किया याद

प्रधान जिला न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी ने सभी स्वच्छता कर्मियों का आभार जताते हुए कहा कि उनके निरंतर परिश्रम के कारण ही शहर स्वच्छ और व्यवस्थित रहता है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि उस दौर में भी सफाईकर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना निष्ठा से काम किया। उन्होंने स्वच्छता वीरों को समाज की सुदृढ़ नींव बताया।

लोक अदालत में फिर एक हुए पति-पत्नी...

नेशनल लोक अदालत के दौरान खंडपीठ क्रमांक-1 में एक प्रेरणादायी मामला भी सामने आया। पीठासीन अधिकारी आनंद कुमार तिवारी के समक्ष अलग-अलग रह रहे एक युवा दंपति का घरेलु विवाद आया था। न्यायालय की समझाईश के बाद दोनों के बीच समझौता हो गया और वे पुन: साथ रहने को तैयार हो गए। समझौते के बाद पति-पत्नी ने एक-दूसरे को फूलमाला पहनाकर खुशी व्यक्त की। इस मौके पर न्यायाधीशों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मिर्ची से लदे ऑटो को ट्रक ने मारी टक्कर

शाजापुर। शाजापुर जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर नैनावद घाटी के समीप शनिवार सुबह लगभग 8 बजे घटित हुई। शाजापुर के ही रहने वाले मोहम्मद सहद, अखिल मंसूरी और इरशाद अपने ऑटो रिक्शा में मिर्च भरकर उज्जैन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नैनावद घाटी उतरते समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनके ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर तीन बार पलटा और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ऑटो में भरी मिर्च भी सड़क पर बिखर गई। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर नैनावद पुलिस चौकी का वाहन भी मौके पर पहुंच गया। जिसकी मदद से सभी घायलों को तुरंत शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया।